

1215/16

शामा

पत्रावली भाज राजस्व लोक अदालत में  
पेसा हुई प्रतिवर्षी उपर है।

पत्रावली का माली भांति अवलोकन  
किया गया। उकाठा का धारा 212(2)  
की शर्त मय पर परीक्षण किया। शर्ती  
का प्रथम दुख्या उकाठा उल्टे गौचर नहीं  
होता है क्योंकि विवादित भूमि शर्ती  
के नाम पर दर्ज नहीं है।

उकाठा वर्गीकृत भूमि पर शर्ती को मा  
अशर्ती नं. 1 की कमा एक अल्ल्याट है।  
मा होने चाहिये। वादगत भूमि के उकाठा  
में प्रस्तुत भूमि इच्छा पत्र / वसीयती का  
उकाठा पर क्या प्रभाव है। इसका विनिश्चय  
मूलवाद में सम्मक सार्वभौमिकता वमा लभुचिर  
विचलणोपरान्त बाद परीक्षण मौरि पर होना  
है, न कि शर्ती के प्रार्थना पत्र या अवाव अशर्ती  
के आधार पर।

सुविधा का संतुलन तथा अपरिमित शर्ती  
शर्ती की संभाव्य नहीं है।

अतः उकाठा के गुणगुण पर -  
मनन करने के उपरान्त हम प्रार्थना पत्र  
शर्ती की अस्वीकार किया जाना उचित  
पाती है।

अतः प्राठ पत्र शर्ती खारिज किया  
जाता है।

निर्णय भाज दि. 12/5/16 को राजस्व  
लोक अदालत-2016 में सुनाया गया।

चिन्मयी गौपाल  
J.A.S. प्रशासक